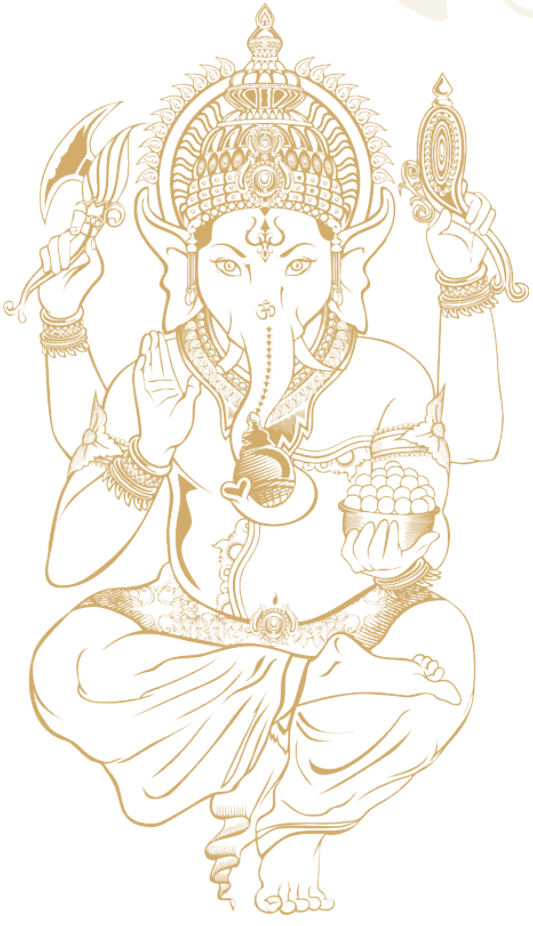

Tribjot singh

30 Oct 2003

12:29 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121951802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/10/2003**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:29:00 घंटे**
इष्ट	44:55:25 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:07:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:16 घंटे
साम्पातिक काल	02:38:39 घंटे
सूर्योदय	06:30:50 घंटे
सूर्यास्त	17:38:46 घंटे
दिनमान	11:07:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	12:01:54 तुला
लग्न के अंश	22:17:50 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	22:17:50	308:10:44	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	---
सूर्य			तुला	12:01:54	00:59:57	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			धनु	11:07:30	14:21:56	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	12:35:08	00:21:39	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध		अ	तुला	14:50:43	01:37:18	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	18:48:29	00:10:03	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	00:58:38	01:14:38	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
शनि	व		मिथु	19:19:12	00:00:26	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
राहु			मेष	26:36:04	00:00:41	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	26:36:04	00:00:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:01:42	00:00:29	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:30:22	00:00:14	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	24:19:00	00:01:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मेष	18:11:40	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:23

लग्न-चलित

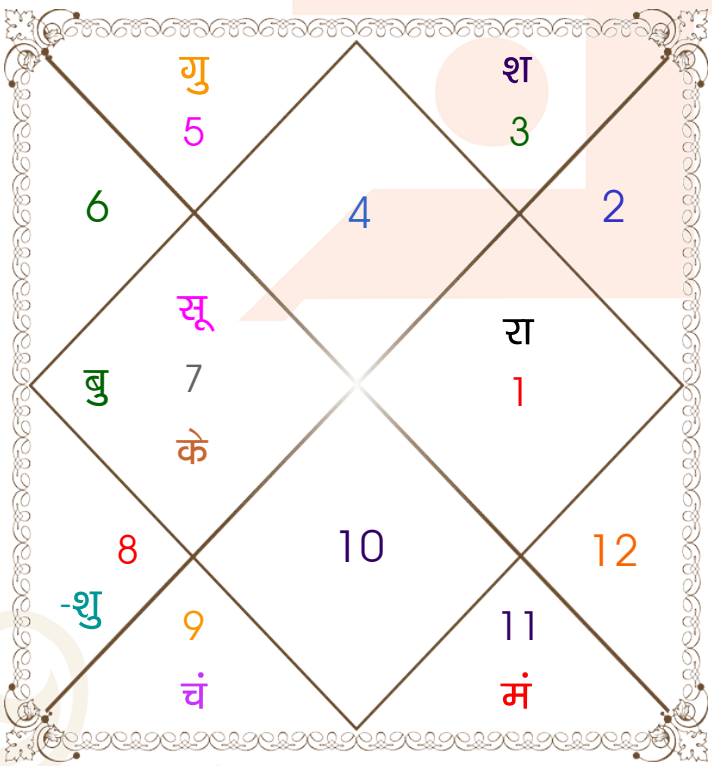

चन्द्र कुंडली

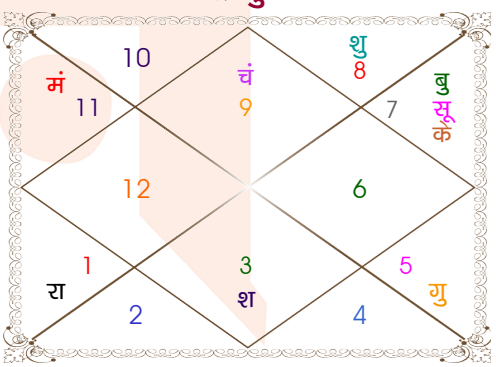

नवमांश कुंडली

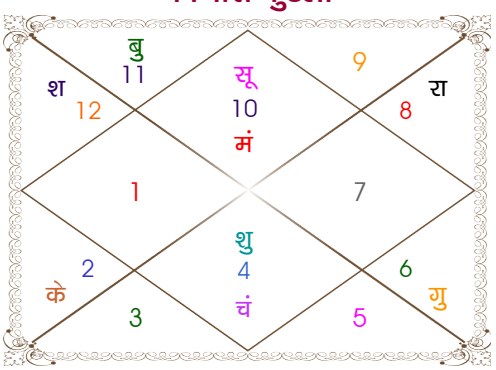

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/10/2003		26/12/2004		26/12/2024		26/12/2030		26/12/2040	
26/12/2004		26/12/2024		26/12/2030		26/12/2040		27/12/2047	
	00/00/0000	शुक्र	26/04/2008	सूर्य	15/04/2025	चंद्र	27/10/2031	मंगल	24/05/2041
	00/00/0000	सूर्य	27/04/2009	चंद्र	14/10/2025	मंगल	27/05/2032	राहु	12/06/2042
	00/00/0000	चंद्र	26/12/2010	मंगल	19/02/2026	राहु	26/11/2033	गुरु	19/05/2043
	00/00/0000	मंगल	26/02/2012	राहु	14/01/2027	गुरु	28/03/2035	शनि	26/06/2044
	00/00/0000	राहु	25/02/2015	गुरु	02/11/2027	शनि	26/10/2036	बुध	24/06/2045
	00/00/0000	गुरु	26/10/2017	शनि	14/10/2028	बुध	28/03/2038	केतु	20/11/2045
	30/10/2003	शनि	26/12/2020	बुध	20/08/2029	केतु	27/10/2038	शुक्र	20/01/2047
शनि	30/12/2003	बुध	27/10/2023	केतु	26/12/2029	शुक्र	26/06/2040	सूर्य	28/05/2047
बुध	26/12/2004	केतु	26/12/2024	शुक्र	26/12/2030	सूर्य	26/12/2040	चंद्र	27/12/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/12/2047		26/12/2065		26/12/2081		27/12/2100		27/12/2117	
26/12/2065		26/12/2081		27/12/2100		27/12/2117		00/00/0000	
राहु	08/09/2050	गुरु	13/02/2068	शनि	29/12/2084	बुध	26/05/2103	केतु	25/05/2118
गुरु	31/01/2053	शनि	27/08/2070	बुध	08/09/2087	केतु	22/05/2104	शुक्र	25/07/2119
शनि	08/12/2055	बुध	02/12/2072	केतु	17/10/2088	शुक्र	23/03/2107	सूर्य	30/11/2119
बुध	27/06/2058	केतु	08/11/2073	शुक्र	18/12/2091	सूर्य	27/01/2108	चंद्र	30/06/2120
केतु	15/07/2059	शुक्र	09/07/2076	सूर्य	29/11/2092	चंद्र	28/06/2109	मंगल	27/11/2120
शुक्र	15/07/2062	सूर्य	27/04/2077	चंद्र	30/06/2094	मंगल	25/06/2110	राहु	15/12/2121
सूर्य	09/06/2063	चंद्र	27/08/2078	मंगल	09/08/2095	राहु	11/01/2113	गुरु	21/11/2122
चंद्र	08/12/2064	मंगल	03/08/2079	राहु	15/06/2098	गुरु	19/04/2115	शनि	31/10/2123
मंगल	26/12/2065	राहु	26/12/2081	गुरु	27/12/2100	शनि	27/12/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 2 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदय काल, मकर नवमांश एवं मीन द्रेष्टकाण के उदय काल में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह सुनिश्चित करता है कि आपकी जो पहुँच है वह आपको जीवन में सफलता प्रदान करेगा। "विश्वसनीयता एक अच्छी नीति है" इस भावनाओं से युक्त होकर, अपने प्रस्तावित कार्य सम्पादन कला के अनुरूप निश्चय ही आप अपने उद्देश्य की सफलता तक पहुँच सकते हैं।

आप अत्यधिक स्वार्थी प्राणी है। आप दूसरों को प्रलोभन देकर, आप अपनी बांछित अभिलाषा एवं महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु अग्रसर होकर सब को पीछे छोड़ सकते हो। यदि आपको लाभ प्राप्त करना है तो मात्र आप अपने व्यवसाय अथवा व्यवसायिक संगठन का ही नहीं अपितु अपने पारिवारिक सदस्यों को भी हस्तानान्तरित कर सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप सतर्कतापूर्वक अग्रसर हों तथा अविश्वसनीयता के कारण कलंकित न हो।

कर्क राशीय प्रभाव से आप निःसंदेह प्रतिभावान प्राणी हैं। आप तुच्छ से महानता की ओर अग्रसर होकर उत्तम एवं आरामदायक जीवन बिताएंगे।

आपमें आवश्यक हानि विद्यमान है तथा आपकी ऐसी क्षमता है कि आप अपने विचारों को अन्य व्यक्तियों को सूचित एवं सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। आप एक प्रतिउत्पन्नमति बुद्धि के विनोद प्रिय व्यक्ति हैं तथा अपमें मन भावन विलक्षणता हैं तथा आप संवादपटु अर्थात् सभी समाचारों से अवगत रहने वाले हैं। इस सम्पूर्णता युक्त गुणों के प्रभाव से आप उन्नति प्राप्ति हेतु सकारात्मक गुणों के व्यवहार से अपने जीवन में उच्चस्तरीय उन्नति प्राप्त करेगे। समग्ररूप से संकल्पित होने की शक्ति आपके सर्वांग में निहित है तथा आप कठिन श्रम कर अपने स्पष्ट मार्ग पर चलते रहेंगे।

यदि आप अपनी कठोरतापूर्ण जिद्दीपन करना छोड़ दे तथा अति नमनशीलतापूर्ण मुद्रा ग्रहण करें तो आपके बहुत मित्र हो जाएंगे तथा आपके कार्यों को धीरे-धीरे प्रस्तावित करेंगे। आपको सर्वथा उत्तेजनात्मक पदार्थ मद्यपान का त्याग करना पड़ेगा। पश्चात् आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप धन सम्पत्ति प्राप्त कर विशेष तथा जीवन के 34 वें वर्ष से सुखद एवं प्रसन्नतम जीवन-व्यतीत करेंगे।

आपको पारिवारिक एकता एवं प्रसन्नता हेतु आपने को नियंत्रित रखना जीवन का आवश्यक दायीत्व है।

आपकों श्रेष्टतम एवं अनुकूल जीवन व्यतीत करने के लिए अच्छी पत्नी एवं विवेकशील सन्तान ही शेष अपने जीवन को महानतम एवं विश्वसनीय प्रमाणित कर सकेगा। आप अपनी अति हठ धर्मिता जैसी प्रवृति में बदलाव लाकर अपनी कमजोरी को त्याग कर उनके साथ स्वाभाविक संबंध कायम रख सकते हैं। आप निश्चयपूर्वक अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करे तथा अपनी आध्यात्मिक प्रवृति का विस्तार करें। जो आपके शेष जीवन व्यतीत करने में सहायक सिद्ध होगा।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परन्तु यह संभव है कि कुछ वर्षों के पश्चात् आप हिस्ट्रीया, पीलिया रोग एवं पेट संबंधी गड़बड़ी जैसे रोगो से आक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में थोड़ी भी उदासीनता नहीं चाहते हैं। इसीलिए भविष्य काल की आरोग्यता हेतु, आपको सतर्कता पूर्वक जीवन पथ पर चलना चाहिए।

आपकी मनोवृति के अनुसार आपके लिए अनुकूल कार्य/व्यवसायों में ट्रेवल्स ऐजेंसी, भ्रमणशील निर्देशक (गाईड) विक्रय प्रतिनिधि तथा इस प्रकार के कार्यों से संबंधित रूचिकर व्यवसाय आदि उत्तम रहेगा।

आप में ऐसी गुणवत्ता विद्यमान है कि आप अपनी तेजस्विता के प्रभाव से जनसम्पर्क एवं बातचीत कर सिद्धहस्त हो सकते होंगे।

आपका भाग्यशाली रंग लाल, पीला, क्रीम रंग एवं सफेद रंग है। आपको नीला एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करनी चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 6 अंक है। अंक 3 एवं 5 अंक ये आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।